☎ STD 05278 V.C. 246223, 246330 (O)
05278 V.C. 246224, 245209 (R)
Fax V.C. 246330(O), 245209(R)
Registrar- 245957(O), 246042(R)
F.O.- 246386(O)

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

दैनिक जागरण,अयोध्या

दिनांकः 11 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्याः 05

कुलपति ने शुरू की स्वच्छता की मुहिम

स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेते अविवि के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह (बाएं से प्रथम) ● जागरण

संसू,अयोध्या: अवध विश्वविद्यालय में स्वैच्छिक श्रमदान एवं साफ सफाई अभियान की शुरुआत कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने झाड़ू लगा कर की। यह अभियान नैक मूल्यांकन के मद्देनजर शुरू हुआ। इस दौरान विश्वविद्यालय परिसर एवं आईईटी संस्थान के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो.रविशंकर सिंह ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में साफ-सफाई आवश्यक परंपराओं में से एक है। समाज के लिए शिक्षण संस्थान आदर्श केंद्र होते हैं। इसका सकारात्मक संदेश समाज को मिलता है। उनके साथ मुख्यनियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, कुलसचिव उमानाथ सहित शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने परिसर की साफ-सफाई की। इसके बाद कुलपति ने परिसर के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। केंद्रीय पुस्तकालय, भौतिकी विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, इतिहास संस्कृति पुरातत्व, विधि विभाग, प्रचेता भवन, दीक्षा भवन में कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियान को धार दिया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, ग्रीन समिति के सचिव डॉ. विनोद चौधरी, प्रो. आरके तिवारी, प्रो. अशोक शुक्ल, प्रो. एमपी सिंह, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. एसएस मिश्र सहित अन्य शामिल रहे।

अमर उजाला माईसिटी,अयोध्या

दिनांकः 11 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्याः 01

mycity

न्यूज कैप्सूल

पीएचडी प्रवेश आवेदन की बढ़ी तिथि

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 18 अक्तूबर कर दी गई है। ऑनलाइन फीस सबमिशन की अंतिम तिथि 17 अक्तूबर है। पीएचडी प्रवेश समन्वयक प्रो. शैलेंद्र वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह के निर्देश पर पीएचडी प्रवेश समिति की बैठक की गई है। बैठक में कोविड-19 के दृष्टिगत अभ्यर्थियों को पीएचडी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई। इसमें कुछ विषयों में रिक्त सीटें उपलब्ध होने के कारण विकल्प भी खोला गया है। जिनमें बिजनेस मैनेंजमेंट, जूलॉजी, फिलॉसफी, साइकोलॉजी एवं उर्दू है। इन विषयों में भी अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। बैठक में डॉ. गीतिका श्रीवास्तव, डॉ. राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, प्रोग्रामर रवि मालवीय उपस्थित रहे। (संवाद)

अमर उजाला माईसिटी,अयोध्या

दिनांकः 11 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्याः 03

विश्वविद्यालय परिसर में किया श्रमदान

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में नैक मूल्यांकन के तहत शनिवार को चलाए गए स्वैच्छिक श्रमदान एवं साफ-सफाई अभियान में कुलपति समेत शिक्षक-कर्मचारियों ने श्रमदान किया। सभी ने झाड़ू लगाकर परिसर को साफ-सुथरा किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने परिसर में झाड़ू लगाकर अभियान की शुरुआत की। इनके साथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव उमानाथ एवं मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह सहित शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी परिसर की साफ-सफाई की। इसके उपरांत कुलपति ने परिसर के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। जिसमें केन्द्रीय पुस्तकालय, भौतिकी विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, इतिहास संस्कृति पुरातत्व, विधि विभाग, प्रचेता भवनए दीक्षा भवन के साथ आईईटी संस्थान में शिक्षक एवं कर्मचारी सुबह 7 बजे से 9 बजे तक साफ-सफाई एवं श्रमदान करते हुए दिखाई दिए।

अमर उजाला माईसिटी,अयोध्या

दिनांकः 11 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्याः 04

अनलॉक में सावधानी ही बनेगा आपका सुरक्षा कवच : कुलपति

कोविड से बचाव को अफसर व शिक्षक-कर्मियों ने ली शपथ

संवाद न्यूज एजेंसी

प्रो. रविशंकर ने कोरोना से बचाव के लिए जारी किया पोस्टर

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कोविड-19 बचाव के लिए पूरे देश में जन आंदोलन अभियान के तहत शनिवार को अवध विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों ने कोविड से बचाव की शपथ ली। इन्हें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने शपथ दिलाई। शपथ के उपरांत कुलपति ने कोरोना से बचाव के लिए पोस्टर जारी किया। ऐसे में अब उसे परिसर के विभिन्न स्थानों पर लगाया जाएगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता के तहत आगामी त्योहार एवं शीत ऋतु के दृष्टिगत कोरोना से बचाव के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने शनिवार को संत कबीर सभागार में शिक्षक व अधिकारियों को शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन में कर्मचारियों को कोविड बचाव की शपथ ग्रहण कराई।

कुलपति ने बताया कि कोविड-19 का संक्रमण मौसम में चल रहे परिवर्तन की वजह से बढ़ सकता है। इसके लिए सभी को सरकार द्वारा सुझाये गये महत्वपूर्ण उपायों को अपनाना चाहिए। कहा कि भारत एक घनी आबादी वाला देश है। इस कारण यहां के नागरिकों को सतर्कता बरतनी आवश्यक है। प्रो. सिंह ने सभी शिक्षण-संस्थानों एवं संबद्ध महाविद्यालयों से अपील की है कि कोविड-19 की गंभीरता को समझते हुए कदापि अनदेखा न करें। सभी को हर स्तर पर सावधानी बरतनी आवश्यक है। सावधानी ही सुरक्षा कवच है।

कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. आरके तिवारी, प्रो. अशोक शुक्ल, प्रो. एमपी सिंह, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. फारूख जमाल, प्रो. आरके सिंह, प्रो. केके वर्मा, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. राजीव गौण, प्रो. शैलेंद्र कुमार, प्रो. शैलेंद्र वर्मा, प्रो. रमापित मिश्र, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. विनोद श्रीवास्तव, डॉ. नरेश चैधरी, डॉ. गीतिका श्रीवास्तव व डॉ. शिवी श्रीवास्तव आदि शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने शपथ ली।

47 मरीज मिले, 63 ने जीती कोरोना से जंग

अयोध्या। *जिले में शनिवार को 47 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए जबकि कोरोना से जंग जीतने के बाद 63 मरीजों की छुट्टी हुई है। जिले में अब कुल मरीजों की संख्या बढ़कर 6464 पहुंच गई है। इनमें सक्रिय मरीज 888 रह गए हैं। जिले में कोरोना संक्रमण का ग्राफ लगातार घटता जा रहा है। प्रतिदिन नए मरीजों की संख्या सौ से घटकर 50 के भीतर तक आ गई है। इससे स्वास्थ्य विभाग से लेकर जिला प्रशासन तक राहत महसूस कर रहा है। शनिवार को आई रिपोर्ट के अनुसार 47 लोग संक्रमित पाए गए हैं। इनमें सर्वाधिक मरीज नगर निगम क्षेत्र व पूरा ब्लॉक क्षेत्र में हैं। शनिवार को नगर निगम क्षेत्र के धनीराम का पुरवा में सर्वाधिक पांच व कंधारी बाजार में चार लोग संक्रमित पाए गए जबकि शहर की विकास पुरम कॉलोनी में तीन, देवकाली में दो, अश्वनी पुरम कॉलोनी में दो, उद्यान कॉलोनी में दो, बहेलिया टोला में दो, बीकापुर के चवरढार में तीन, मसौधा के गद्दोपुर में तीन, सोहावल के पिलखावा में दो सहित नगर निगम क्षेत्र के खवासपुरा, साहबगंज, राजेंद्र नगर, गोदनहर का पुरवा, पीडब्ल्यूडी कॉलोनी, बीकापुर के तोरोमाफी, हैरिंग्टनगंज ब्लॉक के उमरपुर, पुरवाई, मवई ब्लॉक के कसारी, मिल्कीपुर ब्लॉक के उपाध्यायपुर, पूरा ब्लॉक के कुशमाहा, किशुंदासपुर, मड़ना, रानोपाली, भदौली, रुदौली ब्लाक के पालपुर, सोहावल के मजनावा, तारुन के दोदहा में एक-एक व्यक्ति संक्रमित पाए गए हैं। उधर, संक्रमण का ग्राफ घटने से कंटेनमेंट जोन व क्लस्टर जोन की संख्या में भी कमी आ रही है। शनिवार को आई रिपोर्ट के अनुसार जिले में कंटेनमेंट जोन की संख्या 439 हो गई है। इनमें सदर तहसील में सर्वाधिक 193, मिल्कीपुर में 53, बीकापुर में 59, सोहावल में 65 व रुदौली में 69 इलाके शामिल हैं।* (संवाद)

6464 हुई कुल मरीजों की संख्या, 888 सक्रिय मरीज

जनाभास, लखनऊ

दिनांकः 11 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्याः 04

विश्वविद्यालय में नैक मूल्यांकन के दृष्टिगत श्रमदान एवं साफ-सफाई अभियान चलाया गया

- श्रमदान एवं साफ-सफाई अभियान में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

अश्वनी पांडेय

जनाभास,अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में 10 अक्टूबर, 2020 को प्रातः 7 बजे स्वैच्छिक श्रमदान एवं साफ-सफाई अभियान की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने की। विश्वविद्यालय में नैक मूल्यांकन के दृष्टिगत यह अभियान विश्वविद्यालय परिसर एवं आई0ई0टी संस्थान में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान किया। कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में झाड़ू लगाकर अभियान की शुरूआत की। इनके साथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव उमानाथ एवं मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह सहित शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी परिसर की साफ-सफाई की। इसके उपरांत कुलपति जी ने परिसर के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। जिसमें केन्द्रीय पुस्तकालय, भौतिकी विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, इतिहास संस्कृति पुरातत्व, विधि विभाग, प्रचेता भवन, दीक्षा भवन के साथ आई0ई0टी0 संस्थान में शिक्षक एवं कर्मचारी प्रातः 7 बजे से 9 बजे तक साफ-सफाई एवं श्रमदान करते हुए दिखाई दिये। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में साफ-सफाई एक आवश्यक परम्पराओं में है। समाज के लिए शिक्षण संस्थान एक आदर्श केन्द्र के रूप में होते है। इसका सकारात्मक संदेश समाज को मिलता है। पवित्रता एक महत्वपूर्ण मानवीय कार्य है। इस अभियान से सभी को जुड़ना चाहिए। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, ग्रीन समिति के सचिव डॉ0 विनोद चौधरी, प्रो0 आरके तिवारी, प्रो0 अशोक शुक्ल, प्रो0 एमपी0 सिंह, प्रो0 जसवंत सिंह, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 आरके सिंह, प्रो0 के0के0 वर्मा, प्रो0 आशुतोष सिन्हा, प्रो0 राजीव गौण, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा, प्रो0 रमापित मिश्र, प्रो0 अनूप कुमार, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, डॉ0 अशोक राय, डॉ0 अजय सिंह, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 संदीप कुमार, डॉ0 राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ0 आरएन पाण्डेय, डॉ0 अनिल विश्वा, डॉ0 राजेश सिंह, गिरीशचन्द्र पंत, इंजीनियर आरके सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी साफ-सफाई एवं श्रमदान किया।

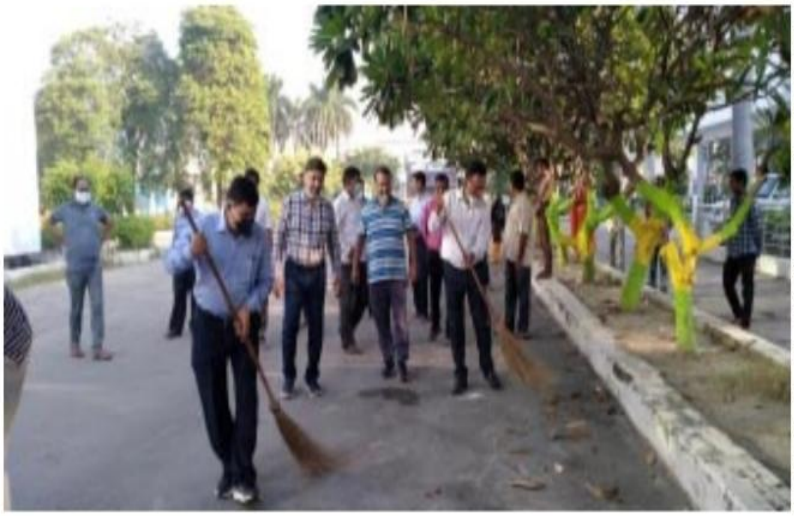

जनाभास, लखनऊ

दिनांकः 11 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्याः 04

अनलॉक में सावधानी ही सुरक्षा कवचःकुलपति

अश्वनी पांडेय

जनाभास,अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कोविड–19 बचाव के संदर्भ में पूरे देश में जन आन्दोलन अभियान के तहत डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में शनिवार को संत कबीर सभागार में शिक्षकों, अधिकारियों को एवं उसके उपरांत सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन में कर्मचारियों को विश्वविद्यालय के कुलपति ने कोविड–19 बचाव की शपथ दिलाई। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय नई दिल्ली के द्वारा की गई अपील में सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता के तहत आगामी त्योहार एवं शीत ऋतु के दृष्टिगत कोरोना से बचाव के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आगे आने आवश्यकता है। नये सामान्य उपयुक्त व्यवहार पर अपनाई जाने वाली सावधानियों के साथ अनलॉक का अनुपालन करने की आवश्यकता है। इसके तीन प्रमुख संदेशों के तहत मास्क पहनना, शारीरिक दूरी का अनुपालन, बार बार हाथ की साफ–सफाई करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि कोविड–19 का संक्रमण मौसम में चल रहे परिवर्तन की वजह से बढ़ सकता है। इसके लिए सभी को सरकार द्वारा सुझाये गये महत्वपूर्ण उपायों को अपनाना चाहिए। शपथ के उपरांत कुलपति प्रो0 सिंह ने कोरोना से बचाव के लिए पोस्टर जारी किया। जिसे परिसर के विभिन्न स्थानों पर लगाया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र–कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, प्रो0 आरके तिवारी, प्रो0 अशोक शुक्ल, प्रो0 एमपी0 सिंह, प्रो0 जसवंत सिंह, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 आरके सिंह, प्रो0 के0के0 वर्मा, प्रो0 आशुतोष सिन्हा, प्रो0 राजीव गौण, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा, प्रो0 रमापित मिश्र, प्रो0 अनूप कुमार, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, डॉ0 नरेश चौधरी, डॉ0 गीतिका श्रीवास्तव, डॉ0 शिवी श्रीवास्तव, डॉ0 विनोद चौधरी, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 संदीप कुमार, डॉ0 राजेश सिंह कुशवाहा, सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने शपथ ली।

ग्राम्यवार्ता, लखनऊ
दिनांकः 11 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्याः 05

कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कोविड से बचाव की शपथ दिलाई

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कोविड-19 बचाव के संदर्भ में पूरे देश में जन आन्दोलन अभियान के तहत डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में दस अक्टूबर, संत कबीर सभागार में शिक्षकों, अधिकारियों को एवं उसके उपरांत सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन में कर्मचारियों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कोविड-19 बचाव की शपथ दिलाई।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय नई दिल्ली के द्वारा की गई अपील में सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता के तहत आगामी त्योहार एवं शीत ऋतु के दृष्टिगत कोरोना से बचाव के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आगे आने आवश्यकता है। नये सामान्य उपयुक्त व्यवहार पर अपनाई जाने वाली सावधानियों के साथ अनलॉक का अनुपालन करने की आवश्यकता है। इसके तीन प्रमुख संदेशों के तहत मास्क पहनना, शारीरिक दूरी का अनुपालन, बार बार हाथ की साफ-सफाई करना जरूरी है। केन्द्र सरकार की अधिसूचना के अनुरूप इसमें व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सतत् प्रयास किया जाना है। इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने आज विश्वविद्यालय में कोविड बचाव की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि कोविड-19 का संक्रमण मौसम में चल रहे परिवर्तन की वजह से बढ़ सकता है। इसके लिए सभी को सरकार द्वारा सुझाये गये महत्वपूर्ण उपायों को अपनाना चाहिए। कुलपति ने कहा कि भारत एक घनी आबादी वाला देश है। इस कारण यहां के नागरिकों को सर्तकता बरतनी आवश्यक है। प्रो. सिंह ने सभी शिक्षण-संस्थानों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों से अपील की है कि कोविड-19 की गंभीरता को समझते हुए कदापि अनदेखा न करें।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांकः 11 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्याः 03

अवध विवि में कुलपति ने कोविड से बचाव की शपथ दिलाई

अनलॉक में सावधानी ही सुरक्षा कवच है : प्रो0 रविशंकर सिंह

चेतना समाचार सेवा

अयोध्या। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कोविड-19 बचाव के संदर्भ में पूरे देश में जन आन्दोलन अभियान के तहत डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में शनिवार को साढ़े दस बजे संत कबीर सभागार में शिक्षकों, अधिकारियों को एवं उसके उपरांत सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन में कर्मचारियों को कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने कोविड-19 बचाव की शपथ दिलाई। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा की गई अपील में सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता के तहत आगामी त्योहार एवं शीत ऋतु के दृष्टिगत कोरोना से बचाव के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आगे आने आवश्यकता है। नये सामान्य उपयुक्त व्यवहार पर अपनाई जाने वाली सावधानियों के साथ अनलॉक का अनुपालन करने की आवश्यकता है। इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने उक्त आयोजन किया। उन्होंने बताया कि कोविड-19 का संक्रमण मौसम में चल रहे परिवर्तन की वजह से बढ़ सकता है। इसके लिए सभी को सरकार द्वारा सुझाये गये महत्वपूर्ण उपायों को अपनाना चाहिए।उन्होंने सभी शिक्षण-संस्थानों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों से अपील की है कि कोविड-19 की गंभीरता को समझते हुए कदापि अनदेखा न करें। शपथ के उपरांत कुलपति प्रो0 सिंह ने कोरोना से बचाव के लिए पोस्टर जारी किया, जिसे परिसर के विभिन्न स्थानों पर लगाया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, प्रो0 आरके तिवारी, प्रो0 अशोक शुक्ल, प्रो0 एमपी0 सिंह, प्रो0 जसवंत सिंह, प्रो0 एसएस मिश्र सहित बड़ी संख्या में कर्मी मौजूद थे।

नैक मूल्यांकन के दृष्टिगत चला सफाई अभियान

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय में शनिवार प्रातः 7 बजे स्वैच्छिक श्रमदान एवं साफ-सफाई अभियान की शुरूआत कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने की। विश्वविद्यालय में नैक मूल्यांकन के दृष्टिगत यह अभियान विश्वविद्यालय परिसर एवं आई0ई0टी संस्थान में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान किया। कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में झाड़ू लगाकर अभियान की शुरूआत की। इनके साथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव उमानाथ एवं मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह सहित शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी परिसर की साफ-सफाई की। इसके उपरांत कुलपति जी ने परिसर के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। जिसमें केन्द्रीय पुस्तकालय, भौतिकी विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, इतिहास संसति पुरातत्व, विधि विभाग, प्रचेता भवन, दीक्षा भवन के साथ आई0ई0टी0 संस्थान में शिक्षक एवं कर्मचारी प्रातः 7 बजे से 9 बजे तक साफ-सफाई एवं श्रमदान करते दिखाई दिये।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या
दिनांकः 11 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्याः 03

अवध विवि ने पीएचडी प्रवेश आवेदन की तिथि बढ़ाई

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि बढाकर 18 अक्टूबर कर दी गई है। ऑनलाइन फीस सबमिशन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर है। पीएचडी प्रवेश समन्वयक प्रो० शैलेन्द्र वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० रविशंकर सिंह के निर्देश पर पीएचडी प्रवेश समिति की बैठक की गई, जिसमें कोविड–19 के दृष्टिगत अभ्यर्थियों को पीएचडी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई। इसमें कुछ विषयों में रिक्त सीटें उपलब्ध होने के कारण विकल्प भी खोला गया है, जिनमें बिजनेस मैनेंजमेंट, जूलॉजी, फिलॉसफी, साइकोलॉजी एवं उर्दू शामिल है। इन विषयों में भी अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। बैठक में डॉ० गीतिका श्रीवास्तव, डॉ० राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ० आशुतोष सिंह, डॉ० अभिषेक सिंह, प्रोग्रामर रवि मालवीय उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत, लखनऊ
दिनांकः 11 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्याः 08

प्रवेश आवेदन की तिथि बढ़ाई

अयोध्या (ब्यूरो)। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्व विद्यालय ने पीएचडी प्रवेश ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 18 अक्टूबर कर दी है। अवध विश्वविद्यालय के पीएचडी प्रवेश समन्वयक प्रो. शैलेन्द्र वर्मा ने बताया कि ऑनलाइन फीस सबमिशन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर 2020 है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाशंकर सिंह के निर्देश पर पीएचडी प्रवेश समिति की बैठक की गयी है। बैठक में कोविड-19 के दृष्टिगत अभ्यर्थियों को पीएचडी में प्रवेश के लिये ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी गयी। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ विषयों में रिक्त सीटें उपलब्ध होने के कारण विकल्प भी खोला गया है, जिनमें बिजनेस मैनेजमेंट, जियोलॉजी, फिलॉसफी, साईकोलॉजी एवं उर्दू है। उन्होंने बताया कि इन विषयों में भी अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। बैठक में डॉ. दीपिका श्रीवास्तव, डॉ. राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, प्रोग्रामर रवि मालवीय उपस्थित रहे।

अमृत विचार, लखनऊ

दिनांकः 11 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्याः 10

अभियान | शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया

अवध विवि परिसर में चलाया गया श्रमदान अभियान

अमृत विचार अयोध्या

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में शनिवार को प्रातः 7 बजे स्वैच्छिक श्रमदान एवं साफ-सफाई अभियान की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने की। विश्वविद्यालय में नैक मूल्यांकन के दृष्टिगत यह अभियान विश्वविद्यालय परिसर एवं आईईटी संस्थान में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान किया।

कुलपति प्रो. सिंह ने परिसर में झाड़ू लगाकर अभियान की शुरूआत की। इनके साथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव उमानाथ एवं मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह सहित शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी परिसर की साफ-सफाई की। इसके उपरांत कुलपति जी ने परिसर के विभिन्न

अवध विवि परिसर में श्रमदान कर सफाई अभियान चलाते कुलपति व शिक्षक।

विभागों का निरीक्षण किया। जिसमें केन्द्रीय पुस्तकालय, भौतिकी विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, इतिहास संस्कृति पुरातत्व, विधि विभाग, प्रचेता भवन, दीक्षा भवन के साथ आईईटी संस्थान में शिक्षक एवं कर्मचारी प्रातः 7 बजे से 9 बजे तक साफ-सफाई एवं श्रमदान करते हुए दिखाई दिये। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में साफ-सफाई एक आवश्यक परम्पराओं में है। समाज के लिए शिक्षण संस्थान एक आदर्श केन्द्र के रूप में होते है। इसका सकारात्मक संदेश समाज को मिलता है।

पवित्रता एक महत्वपूर्ण मानवीय कार्य है। इस अभियान से सभी को जुड़ना चाहिए। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, ग्रीन समिति के सचिव डॉ. विनोद चौधरी, प्रो. आरके तिवारी, प्रो. अशोक शुक्ल, प्रो.एमपी. सिंह, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. फारूख जमाल, प्रो.आरके सिंह, प्रो. केके वर्मा, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. राजीव गौण, प्रो. शैलेन्द्र कुमार, प्रो. शैलेन्द्र वर्मा, प्रो. रमापित मिश्र, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. विनोद श्रीवास्तव, डॉ. अशोक राय, डॉ. अजय सिंह, डॉ.विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ. आरएन पाण्डेय, डॉ. अनिल विश्वा, डॉ. राजेश सिंह, इंजीनियर पारितोष त्रिपाठी, इंजीनियर विनीत सिंह, इंजीनियर अवधेश यादव, इंजीनियर परिमल त्रिपाठी, इंजीनियर रमेश मिश्र, डॉ. अनुराग पाण्डेय, डॉ. त्रिलोकी यादव, डॉ. अर्जुन सिंह, गिरीशचन्द्र पंत, इंजीनियर आरके सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी साफ-सफाई एवं श्रमदान किया।

अमृत विचार, लखनऊ
दिनांकः 11 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्याः 10

पीएचडी प्रवेश आवेदन की तिथि बढ़ी

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि बढाकर 18 अक्टूबर कर दी गई है। ऑनलाइन फीस सबमिशन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर है। पीएचडी प्रवेश समन्वयक प्रो. शैलेन्द्र वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह के निर्देश पर पीएचडी प्रवेश समिति की बैठक की गई है। बैठक में कोविड-19 के दृष्टिगत अभ्यर्थियों को पीएचडी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई। इसमें कुछ विषयों में रिक्त सीटें उपलब्ध होने के कारण विकल्प भी खोला गया है। जिनमें बिजनेस मैनेंजमेंट, जूलॉजी, फिलॉसफी, साइकोलॉजी एवं उर्दू है। इन विषयों में भी अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है। बैठक में डॉ. गीतिका श्रीवास्तव, डॉ. राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, प्रोग्रामर रवि मालवीय उपस्थित रहे।

पायनियर, लखनऊ

दिनांकः 11 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्याः 06

अवध विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश आवेदन की तिथि बढ़ाई

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि बढाकर 18 अक्टूबरए 2020 कर दी गई है। ऑनलाइन फीस सबमिशन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर, 2020 है। पीएचडी प्रवेश समन्वयक प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के निर्देश पर पीएचडी प्रवेश समिति की बैठक की गई है। बैठक में कोविड-19 के दृष्टिगत अभ्यर्थियों को पीएचडी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई। इसमें कुछ विषयों में रिक्त सीटें उपलब्ध होने के कारण विकल्प भी खोला गया है। जिनमें बिजनेस मैनेंजमेंट, जूलॉजीए फिलॉसफी, साइकोलॉजी एवं उर्दू है। इन विषयों में भी अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है। बैठक में डॉ0 गीतिका श्रीवास्तव, डॉ0 राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ0 आशुतोष सिंह, डॉ0 अभिषेक सिंह, प्रोग्रामर रवि मालवीय उपस्थित रहे।

शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांक: 11 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्या: 02

नैक मूल्यांकन के दृष्टिगत अवध विवि में चला श्रमदान अभियान

साफ–सफाई अभियान में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में शनिवार को प्रातः 7 बजे स्वैच्छिक श्रमदान एवं साफ–सफाई अभियान की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने की। विश्वविद्यालय में नैक मूल्यांकन के दृष्टिगत यह अभियान विश्वविद्यालय परिसर एवं आई0ई0टी संस्थान में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान किया। कुलपति प्रो0 सिंह ने परिसर में झाड़ू लगाकर अभियान की शुरूआत की। इनके साथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव उमानाथ एवं मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह सहित शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी परिसर की साफ–सफाई की। इसके उपरांत कुलपति जी ने परिसर के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। जिसमें केन्द्रीय पुस्तकालय, भौतिकी विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, इतिहास संस्कृति पुरातत्व, विधि विभाग, प्रचेता भवन, दीक्षा भवन के साथ आई0ई0टी0 संस्थान में शिक्षक एवं कर्मचारी प्रातः 7 बजे से 9 बजे तक साफ–सफाई एवं श्रमदान करते हुए दिखाई दिये।

इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में साफ–सफाई एक आवश्यक परम्पराओं में है। समाज के लिए शिक्षण संस्थान एक आदर्श केन्द्र के रूप में होते है। इसका सकारात्मक संदेश समाज को मिलता है। पवित्रता एक महत्वपूर्ण मानवीय कार्य है। इस अभियान से सभी को जुड़ना चाहिए। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, ग्रीन समिति के सचिव डॉ0 विनोद चौधरी, प्रो0 आरके तिवारी, प्रो0 अशोक शुक्ल, प्रो0 एमपी0 सिंह, प्रो0 जसवंत सिंह, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 आरके सिंह, प्रो0 के0के0 वर्मा, प्रो0 आशुतोष सिन्हा, प्रो0 राजीव गौण, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा, प्रो0 रमापित मिश्र, प्रो0 अनूप कुमार, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, डॉ0 अशोक राय, डॉ0 अजय सिंह, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 संदीप कुमार, डॉ0 राजेश सिंह कुशवाहा, डॉ0 आरएन पाण्डेय, डॉ0 अनिल विश्वा, डॉ0 राजेश सिंह, इंजीनियर पारितोष त्रिपाठी, इंजीनियर विनीत सिंह, इंजीनियर अवधेश यादव, इंजीनियर परिमल त्रिपाठी, इंजीनियर रमेश मिश्र, डॉ0 अनुराग पाण्डेय, डॉ0 त्रिलोकी यादव, डॉ0 अर्जुन सिंह, गिरीशचन्द्र पंत, इंजीनियर आरके सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी साफ–सफाई एवं श्रमदान किया।

अवध विवि ने पीएचडी प्रवेश आवेदन की तिथि बढाई

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि बढाकर 18 अक्टूबर, 2020 कर दी गई है। ऑनलाइन फीस सबमिशन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर, 2020 है। पीएचडी प्रवेश समन्वयक प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह के निर्देश पर पीएचडी प्रवेश समिति की बैठक की गई है। बैठक में कोविड–19 के दृष्टिगत अभ्यर्थियों को पीएचडी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई।